वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 166 | मंगलवार 11 अक्टूबर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

लोक कला के रंग में रंगा जवाहर कला केंद्र

25वें लोकरंग का भव्य शुभारंभ, विभिन्न राज्यों की लोक संस्कृति की दिखी झलक

जयपुर. कासं

लोकरंग महोत्सव के आगाज के साथ ही जवाहर कला केंद्र सोमवार, 10 अक्टूबर से आगामी 11 दिनों के लिए लोक कला के रंग में रंग गया है। गायत्री राठौड़, प्रमुख शासन सचिव, कला-संस्कृति विभाग ने दीप प्रज्जवलित कर लोक कला के रजत महोत्सव का उद्घाटन किया। इस दौरान केंद्र की अति. महानिदेशक श्रीमती अनुराधा गोगिया समेत अन्य प्रशासनिक अधिकारी व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

शिल्पग्राम में सजा हस्तशिल्प मेला

शिल्पग्राम राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर पुरस्कृत दस्तकारों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प की स्टॉल्स से सजा है। इस राष्ट्रीय हस्तशिल्प मेले में लगी फूड स्टॉल्स पर लोग विभिन्न प्रदेशों के लजीज व्यंजनों का स्वाद लेते दिखायी दिए। कालबेलिया, राजस्थानी लोक नृत्य व भपंग वादन की मंचीय प्रस्तुति ने लोगों को रोमांचित किया। वहीं शिल्पग्राम में शहनाई-नगाड़ा, कच्छी घोड़ी, बम रसिया, कठपुतली, बहूरूपिया, तीन ढोल की प्रस्तुति ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। इस मौके पर गायत्री राठौड़ ने कहा कि राजस्थान समेत विभिन्न प्रदेश की लोक कलाओं को मंच प्रदान करने के लिए लोकरंग का आयोजन किया गया है। हस्तशिल्प मेले में दस्तकारों की कला को संजोया गया है।

राजस्थान में खुलेंगे 5 नए मेडिकल कॉलेज

पीएम नरेन्द्र मोदी 14 अक्टूबर को रखेंगे आधारशिला; 4 मेडिकल कॉलेज का लोकार्पण भी होगा

जयपुर. कासं। राजस्थान में आने वाले सालों में 5 मेडिकल कॉलेज खुलेंगे। इन कॉलेजों की आधारशिला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 14 अक्टूबर को रखेंगे। इन कॉलेजों के खुलने के बाद राज्य में एमबीबीएस के लिए 400 सीटें और बढ़ जाएगी। इन कॉलेजों में इसी सत्र से नीट क्लीयर कर चुके अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट राजस्थान से मिली रिपोर्ट के मुताबिक 14 अक्टूबर को प्रधानमंत्री वर्चुअली इन मेडिकल कॉलेजों की आधारशिला और लोकार्पण करेंगे। श्रीगंगानगर, चित्तौड़गढ़, सिरोही और धौलपुर के मेडिकल कॉलेजों का लोकार्पण किया जाएगा। इन कॉलेजों का लोकार्पण होने के बाद आगामी सत्र से इसमें पढ़ाई शुरू हो जाएगी। नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने इन सभी कॉलोजों में 100-100 सीटों पर एडमिशन की अनुमति दे दी है। इन कॉलेजों के बनने और खुलने के बाद प्रदेश के 19 जिलों में 20 सरकारी मेडिकल कॉलेज संचालित होने लगेंगे।

इन कॉलेजों की रखी जाएगी आधारशीला

4 कॉलेजों के लोकार्पण के अलावा पीएम मोदी बूंदी, बारां, करौली, सवाई माधोपुर और झुंझुनूं के मेडिकल कॉलेजों का भी शिलान्यास किया जाएगा। सरकार का लक्ष्य पूरे प्रदेश के सभी 33 जिलों में एक-एक सरकारी मेडिकल कॉलेज खोलना है। वर्तमान में सभी संभागीय मुख्यालयों (जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, बीकानेर, भरतपुर, अजमेर) के अलावा झालावाड़, बाड़मेर, भीलवाड़ा, चूरू, डूंगरपुर, पाली, सीकर और अलवर में मेडिकल कॉलेज संचालित है।

बीजेपी प्रदेश पदाधिकारी और कार्यसमिति की बैठक

प्रभारी अरुण सिंह करेंगे नड्डा के दौरे की तैयारी, गहलोत सरकार के खिलाफ तैयार होगी रणनीति

जयपुर. कासं

बीजेपी प्रदेश पदाधिकारी और प्रदेश कार्यसमिति की बैठक होगी। जयपुर में पार्टी मुख्यालय पर होने वाली इस बैठक में प्रभारी अरुण सिंह मौजूद रहेंगे। 20-21 अक्टूबर को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के कोटा में बूथ सम्मेलन की तैयारियों के साथ ही आगामी दिनों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दौरों की तैयारियों को लेकर बैठक में चर्चा होगी। इस बैठक में कुछ नेताओं की बीजेपी में घर वापसी को लेकर भी पार्टी नेता आपसी राय मश्विरा करेंगे। प्रदेश की कांग्रेस सरकार में चल रही खींचतान और 19 अक्टूबर को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव नतीजा क्लीयर होने के बाद पैदा होने वाली तमाम स्थितियों को लेकर बीजेपी रणनीति तैयार करेगी। इसके साथ ही संगठन से जुड़े मुद्दों पर कार्य समिति के प्रमुख नेताओं की बैठक अरुण सिंह के साथ होगी। आगामी दिनों के पार्टी के कार्यक्रम और रणनीति पर चर्चा की जाएगी। प्रदेश की गहलोत सरकार के खिलाफ चलाए जाने वाले आंदोलनों का रोडमैप भी इस बैठक में तैयार होगा। तय प्रोग्राम के मुताबिक बीजेपी के प्रदेश प्रभारी और राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह 11 और 12 अक्टूबर को दो दिवसीय दौरे पर

जयपुर आ रहे हैं। 11 अक्टूबर को सुबह 9 बजे जयपुर सिंह एयरपोर्ट पर आएंगे। सुबह 10 बजे बीजेपी प्रदेश मुख्यालय पहुंचेंगे।

महावीर इंटरनेशनल एसोसिएशन जयपुर द्वारा 150 दिव्यांग बन्धुओं को निःशुल्क राशन वितरण किया

गुलाब कौशल्या चेरेटिबल ट्रस्ट के सौजन्य से सेवा पखवाडे के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल एसोसिएसन जयपुर के द्वारा प्रति माह के दूसरे रविवार को 150 जरूरतमन्द दिव्यांग बन्धुओं को निशुल्क राशन वितरण किया जाता हैं। संस्था अध्यक्ष वीर सुभाष गोलेछा व मंत्री इंजिनियर पी सी छाबडा ने बताया कि महावीर इंटरनेशनल एसोसिएसन जयपुर के द्वारा प्रति माह के दूसरे रविवार को 150 दिव्यांग जरूरतमंद बन्धुओं को एसोसिएशन भवन एस -10 जनता कालोनी पर हमेशा की तरह इस बार भी दिनांक 09 अक्टूबर 2022 द्वितिय रविवार को सुबह 10 बजे मासिक राशन वितरण किया गया। जिसमें दिव्यांग परिवारों को 5किलो आटा, 1 किलो चावल, 1 किलो दाल, देकर लाभान्वित किया गया। इस माह यह कार्यक्रम धर्मप्रयाण दानवीर वीर नरेश मेहता व उनके परिवार के सहयोग से सेवा पखवाडे के अंतर्गत गुलाब कौशल्या चेरेटिबल ट्रस्ट द्वारा किया गया। उल्लेखनीय है कि दानवीर नरेश मेहता द्वारा अपने माता पिता कि स्मृति मे उनके नाम से स्थापित गुलाब कौशल्या चेरेटिबल ट्रस्ट के माध्यम से बाड़ा पदमपुरा में संचालित आंखों की हॉस्पिटल में हर माह आंखो के ऑपरेशन करते हैं वह अन्य जगह भी कई सेवा के कार्य करते रहते हैं ।स्वर्गीय श्री गुलाब चन्द जी एवं माता श्रीमती कोशल्या देवी की स्मृति में आयोजित इस कार्यक्रम मे सभी उपस्थित दिव्यांग व्यक्तियों को एक समय का भोजन भी वीर नरेश मेहता की और से ही उनके जन्म दिवस पर कराया गया।इस अवसर पर वीर सुभाष गोलेछा, अध्यक्ष वीर अनिल जैन कोषाध्यक्ष, वीर भाग चन्द जैन उपाध्यक्ष, वीरा चन्द्रा गोलेछा, दानदाता वीर नरेश मेहता, वीर एन के सेठी उपाध्यक्ष ,वीर चन्द्र सेन छाबड़ा का सदस्य ,श्रीमान् सुनिल कोठारी समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में ,लक्ष्मी चन्द नागोरी,डाः प्रोफेसर ब्रज किशोर जी विशिष्ट अतिथि, वीर विनोद कोठारी, वीर राम बाबू कानूनगो उपस्थित रहे ।

रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन ने गरबा महोत्सव में किया माता-पिता का सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन का गरबा महोत्सव का आयोजन टोंक रोड स्थित चन्दन वन में किया गया । कार्यक्रम के चेयरमैन रो. अमित अग्रवाल ने बताया कि महोत्सव में माता पिता का सम्मान किया। उनके अनुसार गरबा महोत्सव में दिन भर बारिश व ट्रैफिक जाम होने के बाब्जूद करीब 600 लोगो ने गरबा और डांडिया का रंग बिरंगे परिधानों में भरपूर आनंद लिया। क्लब की महिला सदस्यों द्वारा मां अम्बे की आरती से कयाक्रम की शुरआत हुई और देर रात तक कार्यक्रम चलता रहा। क्लब के चार्टर अध्यक्ष रो. सुधीर जैन गोधा के अनुसार इस गरबा और डांडिया की प्रैटिस सदस्य लगातार 7 दिन से अहमदाबाद की प्रसिद्ध रंगमिलन संस्था के अशोक शिकारी के निर्देशन में कर रहे थे । क्लब अध्यक्ष रो. रवींद्र नाथ और सचिव बी पी मूंदड़ा ने बताया की गरबा महोत्सव में अनेक पुरस्कार भी वितरित किए गए। सदस्यों ने लाइव बैंड पर भरपूर डांडिया किया। इवेंट आयोजन में रोटेरियन आशीष- शिप्रा वैध व प्रसन्न जीत मालू का विशेष योगदान रहा। धन्यवाद ज्ञापन रो. राजेश गंगवाल और राजेश अग्रवाल ने किया ।

धर्म का अपमान रोकने के लिए बने ईश निंदा कानून

सनातन धर्म बना बॉलीवुड का टारगेट : ठाकुर

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। धर्मनगरी भीलवाड़ा में परम श्री टेकरी के हनुमानजी भागवत कथा समिति के तत्वावधान में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान गंगा महोत्सव में कथावाचन करने आए हुए पूज्य शांतिदूत पं. श्रीदेवकीनंदन ठाकुरजी महाराज ने सोमवार को ठहराव स्थल रामेश्वरम में मीडियाकर्मियों से बातचीत के दौरान बॉलीवुड पर सनातन धर्म का अपमान करने का आरोप लगाते हुए तुरंत ईश निंदा कानून बनाने की मांग उठाई। उन्होंने देश में सीमित संसाधनों का बेहतर उपयोग हो इसके लिए जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने की भी मांग की। ठाकुर ने कहा कि सनातन परम्पराओं एवं हमारी भावनाओं का जिस तरह अपमान हो रहा उसमें बॉलीवुड की अग्रणी भूमिका है। फिल्मों के माध्यम से सनातन धर्म में आस्था रखने वालों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई जा रही है। बॉलीवुड ने भगवान राम, कृष्ण, शिव, देवी दुर्गा सभी को फिल्मों के माध्यम से अपमानित किया है। उन्होंने आने वाली फिल्म आदिपुरूष के ट्रेलर की चर्चा करते हुए कहा कि इसमें भगवान राम का चित्रण जिस तरह हुआ वह हमारी भावनाओं को चोट पहुंचाने वाला है। जितने भी प्रदेशों के मुख्यमंत्री है उन्हें सनातनियों की भावनाओं का सम्मान करते हुए अपने-अपने राज्य में इस फिल्म को रिलीज की अनुमति नहीं देनी चाहिए। किसी भी धर्म के प्रतीकों एवं देवी-देवताओं का अपमान नहीं हो इसके लिए ईश निंदा कानून बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान में हमे भी अधिकार मिले हुए है और कोई हमारी भावनाओं को चोट पहुंचाता है तो उसे दंड दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अहिंसा परमों धर्म में विश्वास रखने वाले एवं सर्वे भवन्तु सुखिने की कामना करने वाले सनातन धर्म की छवि खराब करने का प्रयास किया जा रहा है जिसके विरूद जागृति उत्पन्न करते हुए आवाज बुलंद करनी होगी।

DJSG - JPL ओवर आर्म क्रिकेट चैम्पीयनशिप का जनक श्री B चैम्पीयन बना

जयपुर. शाबाश इंडिया। वात्सल्य ग्रूप के आयुष तोतुका बने मैन आफ द सिरीज़ जयपुर। दिगम्बर जैन सोशल ग्रूप फ़ेडरेशन राजस्थान रीज़न जयपुर द्वारा DJSG - JPL ओवर आर्म क्रिकेट चैम्पीयनशिप का आज आयोजित फ़ाइनल मुक़ाबला केशर क्रिकेट अकडेमी ग्राउंड , पर जनक श्री B व वात्सल्य के मध्य सम्पन्न हुवा। रीज़न अध्यक्ष राजेश -सीमा बड़जात्या ने बताया कि जनक श्री B ने वात्सल्य को 7 विकेट से हरा कर DJSG - JPL - ट्रोफ़ी जीती । आज हुए फ़ायनल मैच का मैन आफ द मैच का पुरुष्कार CA अभिषेक जैन को मिला , विनर ट्रॉफी जनक श्री B , रनर अप ट्रॉफी वात्सल्य , मैन आफ द सिरीज़ वात्सल्य ग्रूप के आयुष तोतुका को , बेस्ट बैटसमेन आयुष तोतुका , बेस्ट बोलर वात्सल्य ग्रूप के विकास जैन को मिला ।रीज़न महासचिव निर्मल - सरला संघी ने बताया कि आज मैच के दोरान रीज़न संस्थापक अध्यक्ष अनिल कुमार जैन IPS, रीज़न परामर्शक सुरेन्द्र कुमार पाण्डया , रीज़न पूर्व अध्यक्ष अतुल - निलिमा बिलाला , जनक श्री ग्रूप अध्यक्ष नवीन जैन , रीज़न क्रिकेट खेल सचिव सुनील जैन , वात्सल्य ग्रूप के संस्थापक अध्यक्ष सुरेश लुहाड़िया , अध्यक्ष अनिल - बीना टोंग्या , सचिव रेखा झाँझरी , रीज़न कार्यकारिणी सदस्य राजेन्द्र रॉवका , की गरिमामय उपस्तिथि रही ।रीज़न कोषाध्यक्ष पारस कुमार जैन ने सभी आगूंतक श्रेष्ठी महानुभाव का धन्यवाद तथा सभी भाग लेनी वाली टीमों जनक श्री B, वात्सल्य , पार्श्वनाथ , जनक श्री A, मैंत्री , वीर , पिंक पर्ल , जनक श्री C, वर्धमान का भी धन्यवाद व आभार प्रकट किया । जिनकी वजह से टूर्नामेंट शानदार सफलता के साथ सम्पन्न हुवा ।

वेद ज्ञान

आग्रह और औचित्य में भेद

औचित्य और आग्रह में सूक्ष्म भेद है। कब औचित्य आग्रह में बदल जाता है और आग्रह औचित्य में, पता ही नहीं चलता है। औचित्य का आग्रह की ओर आना सरल जान पड़ता है, क्योंकि हम आग्रह से ग्रस्त होते हैं, परंतु आग्रह छोड़कर औचित्य की और लौटना कठिन है। यह इसलिए है, क्योंकि ऐसा करने में विवेक की जरूरत पड़ती है। वस्तुतः औचित्य उसे कहते है, जिसे करने में किसी प्रकार की कोई समस्या खड़ी न हो। औचित्य का तात्पर्य है किसी कर्म को उसके गुण-धर्म के अनुरूप करना है। आग्रह उसे कहते हैं, जिसे हम अपनी सुविधा और लाभ के अनुरूप करते हैं। इसमें हमारा अपना मोह समाविष्ट होता है। औचित्य और आग्रह में हम आग्रह की ओर अनायास ही मुड़ जाते हैं। बात औचित्य की करते हैं, सिद्धांत की करते हैं, परंतु करते समय हमारा आग्रह सामने खड़ा हो जाता है और बताता है कि यह आग्रह ही हमारा औचित्य है। यह प्रक्रिया इतनी सूक्ष्मता के साथ होती है कि पता ही नहीं चलता और हम दुराग्रह के आवेश में औचित्य की केवल बात करते रह जाते हैं और करते वही हैं जो हम करना चाहते हैं। वर्तमान जीवन की यही सच्चाई है। जो यह कहता है कि हम सदा सही कर्म करते हैं, उसे एक कड़वी सच्चाई से रूबरू होना चाहिए। ऐसा आखिर होता क्यों है? ऐसा भी नहीं है कि इंसान सही कार्य, जिसे करना चाहिए, नहीं करना चाहता है। वह सही कार्य के बारे में सोचता भी है और अंजाम भी देना चाहता है, किंतु उसके अंदर सत्कर्म करने की इच्छा मंद पड़ जाती है। मनुष्य के मन की संरचना बड़ी जटिल है। उनके अनुसार औचित्य का मतलब है-वास्तव में क्या करना चाहिए, क्या उचित है। उचित-अनुचित का भेद वही कर सकता है, जिसकी दृष्टि और बुद्धि अत्यंत पैनी और सूक्ष्म हो। आग्रह के अंतर्गत यह विवेक बुद्धि गंभीर नहीं हो पाती, क्योंकि वहां स्वार्थ प्रधान होता है। औचित्य बताता है कि मान्यताओं से बढ़कर विवेक है। यदि मान्यता उचित है तो उसे करने में कोई परहेज नहीं है और यदि यह अनुचित है तो उससे परहेज करना ही श्रेयस्कर है, परंतु इसे करने में विवेक के साथ साहस की आवश्यकता है। विवेक-बुद्धि तो उचित और अनुचित का भेद बताती है, पर साहस के अभाव में इसे क्रियान्वित करना कठिन होता है।

संपादकीय

देश में नई शिक्षा नीति के प्रभाव...

देश में 'नई शिक्षा नीति-2020' के प्रभाव में आने के बाद मातृभाषा के माध्यम से शिक्षण पर नए सिरे से प्रयास शुरू हो चुके हैं। इसकी अनुशंसाओं में जोर देकर कहा गया है कि कम से कम कक्षा पांच तक बच्चों को उनकी प्रथम भाषा/ मातृभाषा के माध्यम से पढ़ाया जाना चाहिए और अगर संभव हो, तो कक्षा आठ या इससे आगे की पढ़ाई भी मातृभाषा में हो, तो बेहतर होगा। यह शिक्षा-नीति इसके लिए अनेक उपाय सुझाती है। मसलन, स्थानीय भाषा में पाठ्य-सामग्री का निर्माण, बहुभाषी शिक्षण की व्यवस्था, केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा स्थानीय भाषाओं के जानकार शिक्षकों की व्यवस्था करना, इस क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का भरपूर उपयोग करना आदि। इसके साथ इस बात को भी रेखांकित किया गया है कि विज्ञान और गणित की पाठ्य-सामग्री यथासंभव द्विभाषी बनाई जाएगी,

जिसमें एक भाषा अंग्रेजी भी होगी। निश्चित रूप से 'नई शिक्षा नीति-2020' भारतीय जनमानस से औपनिवेशिक पहचान को निकाल कर उसके स्थानीयकरण की दिशा में एक मजबूत सैद्धांतिक आधार तैयार करती है। अब इस शिक्षा-नीति की सिफारिशों पर काम शुरू हो चुका है और नई ह्यराष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखाह्न बनाने की पहल दिखने लगी है। मगर संशय बना हुआ है कि क्या सही मायनों में इसे भाषायी अनुशंसाओं को धरातल पर उतारा जा सकता है? क्योंकि देश में भाषाओं को लेकर कोई तार्किक नीति नहीं रही है और जिस नीति से अब तक का कामकाज हुआ है, उसमें भाषिक अस्मिताओं के तुष्टीकरण का प्रभाव सबसे अधिक रहा है। वैसे भी मातृभाषायी शिक्षा की वकालत कोठारी आयोग ने आज से पचास साल पहले भी की थी और इस बात को 'राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2005' में भी दोहराया गया था। जाहिर है कि इस दिशा में ऐसा कुछ निर्णायक प्रयास अब तक नहीं हुआ था, अन्यथा इन्हीं बातों को पचास वर्ष बाद की शिक्षा-नीति में फिर से दर्ज करने की आवश्यकता नहीं होती। कोई नीति बदलते समय की चुनौतियों को पहचानने और उनका सामना करने के साधन के रूप में सामने आनी चाहिए, न कि पुरानी बातों के लगातार पुनरावृत्ति के लिए। बहरहाल, अब चूंकि सरकार ने इस दिशा में काम करना शुरू कर दिया है, तो उम्मीद की जानी चाहिए कि शायद धरातल पर कुछ बदलाव दिखे। भारत एक सघन बहुभाषिकता वाला देश है, जहां 2011 की जनगणना प्रक्रिया में कुल मातृभाषाओं की संख्या 19569 दर्ज की गई थी। भाषावैज्ञानिक आधारों पर इनके कोटिकरण के बाद इनकी संख्या 1369 रखी गई। आगे 1474 भाषाओं को 'अन्य' भाषाओं की कोटि में रखा गया। जबकि कुल दस हजार या इससे अधिक मातृभाषी जनसंख्या के आधार 121 मातृभाषाओं की संख्या दर्ज की गई है। इन भाषाओं को अनुसूचित और गैर-अनुसूचित भाषाओं की कोटि में रखा गया है।

परिदृश्य

बुरे दिनों की आहट

एक अमेरिकी संस्था ने वह विडियो भेजा, जिसमें मुसलिम युवकों को बिजली के खंभे से बांध कर पुलिसवाले लाठियों से उनकी पिटाई कर रहे हैं। मुझे उस अमेरिकी संस्था पर भरोसा इतना नहीं है, इसलिए कि कई बार पाया है कि उसकी भारत के बारे में खबरें गलत रही हैं। इस संस्था का नाम है इंडियन अमेरिकन मुसलिम काउन्सिल। नाम से ही स्पष्ट है कि संस्था का मकसद है अमेरिका में भारतीय मुसलमानों की आवाज उठाना। सो, इस विडियो को पहली बार देख कर यकीन नहीं हुआ कि इस तरह का इस्लामी दंड अपने देश में कोई दे सकता है। यकीन तब आया जब इंडियन एक्स्प्रेस अखबार के पहले पन्ने पर इस घटना का पूरा वर्णन पढ़ा और यह भी मालूम हुआ कि पिटाई करने वाले पुलिसकर्मी थे। पिटाई करने वालों ने वर्दी नहीं पहनी थी, लेकिन पास में वर्दी पहने पुलिसवाले खड़े थे। बहुत सारे लोग युवकों की पिटाई का मजा ले रहे थे, अपने फोन पर विडियो बना और तालियां बजा कर 'भारत माता की जय' के नारे लगा रहे थे। इस वीडियो को जब मैंने ट्वीट करके पूछा कि क्या उन पुलिसवालों को अभी तक गिरफ्तार किया गया है, तो हैरान हुई जब खूब गालियां सुनने को मिलीं मोदी के भक्तों से। इनकी पहचान यह है कि अपने नाम के साथ या तो 'गौरवान्वित हिंदू' लिखते या तिरंगा लगाते हैं। इनकी राय में जो पुलिसवालों ने किया, वह बिलकुल ठीक था, क्योंकि कानूनी कार्रवाई अगर करते तो कई साल लग सकते हैं। यानी अच्छी बात है कि कानून के रखवाले खुद कानून तोड़ने में लगे हुए हैं। अगले दिन सुबह जब मैंने अखबारों में इस घटना के बारे में खबर ढूंढ़ने की कोशिश की तो किसी भी अखबार में इसका जिक्र तक नहीं था, न ही किसी समाचार चैनल पर इसके बारे में कुछ देखा। समझना मुश्किल है कि देश के मीडिया को इस घटना की अहमियत क्यों नहीं दिखी। लोकतंत्र मजबूत कानून-व्यवस्था के बिना कायम नहीं रह सकता है। वे लोग, जिन्होंने संविधान की शपथ लेकर ऐसी नौकरी चुनी है, जिसमें उनका प्रथम कर्तव्य है कानून-व्यवस्था को सुरक्षित रखना, खुद कानून को तोड़ने लगते हैं, और वह भी आम लोगों के सामने, तो लोकतंत्र की नीव कमजोर हो जाती है। जिन लोगों ने पुलिसवालों की इस घिनौनी हरकत का खुल कर समर्थन किया है, उनका कहना है कि इसी तरह दंडित करना चाहिए मुसलिम युवकों को, वरना उनको काबू में नहीं लाया जा सकता है। जिन नौ युवकों की पिटाई की थी गुजरात के खेड़ा पुलिस कर्मियों ने उन पर आरोप था कि नवरात्रि के जलसे में उन्होंने पथराव किया। ऐसा अगर किया था तो उनको गिरफ्तार करके पुलिस ले जाती थाने पूछताछ करने। पिटाई जहां हुई वहां पुलिस की गाड़ी भी दिखती है विडियो में, सो ऐसा आसानी से किया जा सकता था। इसके बदले अगर इनको बीच चौराहे पर पीटा गया, तो इसका संदेश यही जाता है कि पुलिसवाले जानते हैं कि मुसलमानों को इस तरह दंडित करते हुए देख कर आम हिंदू जनता खुश हो जाती है। युवक अगर हिंदू होते तो बात अलग होती। चिंताजनक है यह, इसलिए कि एक बार फिर साबित होता है कि पिछले कुछ वर्षों में नफरत इतनी फैल गई है देश में कि भाईचारा तकरीबन गायब हो गया है। इस घटना के बारे में मैंने जब एक गुजराती दोस्त से बात की तो उसने बताया कि उसको वे दिन याद हैं, जब हिंदू और मुसलिम मिलकर नवरात्रि में गरबा किया करते थे।

उच्च शिक्षित 3 युवा आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी से मुनि दीक्षा लेंगे

इंदौर. शाबाश इंडिया। चर्या शिरोमणि आचार्यश्री विशुद्ध सागरजी महाराज संघस्थ उच्च शिक्षित 3 युवा बाल ब्रह्मचारी सौरभ भैया एमबीए नागपुर, निखिल भैया सीए छतरपुर, एवं विशाल भैया बी कॉम भिंड रायपुर (छ.ग)में विराजमान आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज से 6 नवंबर को मुनि दीक्षा लेंगे। आचार्य श्री ने दीक्षार्थियो को उनके परिवार की सहमति एवं युवाओं की इच्छा और अनुरोध पर जैनेश्वरी दीक्षा देना स्वीकार किया है। सभी दीक्षार्थियों ने आज ब्रह्मचारी भोला भैया के निर्देशन में इंदौर आकर श्रुत संवेगी मुनि श्री आदित्य सागर जी, मुनि श्री अप्रमित सागर जी एवं मुनि श्री सहज सागर जी , छत्रपति नगर में विराजमान आर्यिका पूर्णमति माताजी एवं नगर में विराजमान अन्य आचार्य मुनि संघ को भी श्रीफल समर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया एवं मुनिश्री आदित्य सागर जी ससंघ के सानिध्य में समाज द्वारा श्री चंद्रप्रभु मांगलिक भवन तिलक नगर में सभी दीक्षार्थियों की बिनोली एवं गोद भराई का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर गौतम जैन, राजेंद्र मोदी, भारत जैन, राजेश जैन दद्दू, पवन मोदी, स्वतंत्र जैन, सुरेश जैन एवं तिलक नगर संविद नगर गोयल नगर आदि क्षेत्रों के समाज श्रेष्ठी उपस्थित थे।

हैल्थ अवेयरनेस (कैंसर जांच एवं निवारण) कार्यक्रम का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

महा सुरक्षा अभियान के तहत अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा, शाखा जयपुर द्वारा HCG हॉस्पिटल के सौजन्य से एक हैल्थ अवेयरनेस (कैंसर जांच एवं निवारण) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पारस जैन ने बताया वरिष्ठ ऑकोलॉजिस्ट डॉक्टर कार्तिक रस्तोगी द्वारा कैंसर के होने के कारण, लक्षण एवं निराकरण के तरीकों पर विस्तार से बताया गया। जयपुर शाखा के अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद जैन, उपाध्यक्ष रवि जैन सोडाला, अर्थमंत्री अनिल कुमार जैन, सह मंत्री अरविंद कुमार जैन, पत्रिका संयोजक गगन जैन, स्वास्थ्य मंत्री डॉ विवेक जैन, कार्यकारिणी के सदस्य तथा सम्माननीय समाज गण उपस्थित रहे। हॉस्पिटल की तरफ से महिला एवं पुरुषों की निशुल्क जांच की गई । जयपुर शाखा की तरफ से ऑनकोलॉजिस्ट डॉक्टर कार्तिक रस्तोगी एवं हॉस्पिटल के सेल्स व मार्केटिंग हैड कृष्ण कांत गौड़ को मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया।

अ.भा.जैन पत्र संपादक संघ का पंच दिवसीय अधिवेशन व विद्वत संगोष्ठी तीर्थराज सम्मेशिखर जी में

सम्मेशिखर जी, पारसनाथ. शाबाश इंडिया

अखिल भारतीय जैन पत्र संपादक संघ का 17 वां राष्ट्रीय अधिवेशन पूज्य आचार्य श्री प्रमुख सागर जी के ससंघ सान्निध्य में उनकी स्वर्ण जयंती के अवसर पर तीर्थराज सम्मेद शिखरजी में 11 से 15 अक्टूबर तक विद्वत संगोष्ठी व तीर्थ वंदना के साथ आयोजित है। समारोह की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष शैलेन्द्र जैन एडवोकेट- अलीगढ़ करेंगे। संगठन के महामंत्री डा.अखिल बंसल के अनुसार पंच दिवसीय इस समारोह में डॉ. राजमल कोठारी (इसरो) अहमदाबाद, एम.पी. अजमेरा (पूर्व आईएएस) रांची, ताराचंद जैन(अध्यक्ष झारखंड) देवघर, आर.के.जैन (मेंबर -ट्रिव्यूनल) झांसी , अनिल जैन(पूर्व आईपीएस) जयपुर , छीतरमल पाटनी (समाजसेवी) हजारीबाग, संतोष सेठी (उद्योग पति), कोलकाता, डॉ. एन.के. खींचा (पूर्व जॉइंट कमिश्नर) जयपुर, डॉ चिरंजीलाल बगड़ा (संपादक-दिशाबोध), कोलकाता अनूप चंद एडवोकेट(संपादक जैनसंदेश) फिरोजाबाद, डा.बी.एल.सेठी-जयपुर, पंडित चंद्र प्रकाश चंद्र -ग्वालियर, पंडित चंद्र शास्त्री - ग्वालियर, डा.शरदचंद्र- नांदेड़ , शांतिनाथ होतपेटे(संपादक जिनवाणी कन्नड) हुबली, डॉ. कल्पना जैन- नोएडा ,डॉ रीना अनामिका -मुंबई, डॉ. मीना जैन- उदयपुर, शैलेश कापड़िया (संपादक जैन मित्र) सूरत , दिनेश दगड़ा (संपादक जैन जनवाणी) कोलकाता , जिनेश कोठिया - दिल्ली, डा.राजीव प्रचण्डिया- अलीगढ़,डॉ. सुशील जैन- कुरावली, श्रीमती अनुपमा जैन- हावड़ा ,श्रीमती रश्मि जैन-अलीगढ़,श्रीमती शैल बंसल(,समन्वय वाणी) जयपुर, डॉ. अल्पना जैन- मालेगाव, डा.ऋषभ जैन-ललितपुर, मयंक जैन-अलीगढ़, गिरीश जैन- अलीगढ़, डा.श्रेयांस जैन-ककरवाहा, संदीप जैन-बडागांव, राजाराम जैन-बडागांव, आदि विद्वान एवं अतिथि गण पधार रहे हैं। इस अवसर पर आचार्य श्री का स्वर्ण जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। अंतिम दो दिन सामूहिक तीर्थवंदना का कार्यक्रम है। इस अवसर पर संगठन से जुडे साप्ताहिक जैनमित्र के संपादक शैलेष कापडिया, सूरत एवं जैन जनवाणी के संपादक दिनेश दगडा,कोलकाता को पुरस्कृत भी किया जाएगा।

जैन सोश्यल ग्रुप नॉर्थ की दो दिवसीय धार्मिक यात्रा सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोश्यल ग्रुप नॉर्थ की दो दिवसीय धार्मिक यात्रा सम्पन्न। संस्थापक अध्यक्ष मनीष झांझरी ने बताया कि 8 एवं 9 अक्टूबर को आयोजित इस यात्रा मे 35 सदस्यों का दल कार्यक्रम संयोजक राजेंद्र- संगीता एवं सुकेश - सपना काला के नेतृत्व मे गया था। इस धार्मिक यात्रा कार्यक्रम के तहत पदमपुरा, आवा, निवाई, जहाजपुर, चावलेश्वर पारसनाथ एवं बिजोलिया मंदिर के दर्शन किए गए।

दिगंबर जैन समाज के लोगों ने शरद पूर्णिमा पर गोवंश को गुड़ खिलाया

लाडनू. शाबाश इंडिया

स्थानीय दिगंबर जैन समाज के लोगों ने संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज व आर्यिका प्रमुख ज्ञानमती माता के अवतरण दिवस (शरद पूर्णिमा) के अवसर पर नगर की सभी प्रमुख गौशाला में जाकर गायों को गुड़ व पशु आहार खिलाया। नगर के सामाजिक कार्यकर्ता महेंद्र सेठी, निर्मल पाटनी एवं प्रकाश पांड्या के नेतृत्व में यह कार्य किया गया। इस अवसर पर डॉ सुरेंद्र जैन, डॉ राकेश जैन, शरद जैन सुधांशु, डॉ. मनीष जैन, सुशीला देवी सेठी, मंजूदेवी बड़जात्या, रेखा जैन, सुशीला कासलीवाल, सुशीला गंगवाल, रंजू पांड्या, पुष्पा सेठी, शारदा गंगवाल, पुष्पा बगड़ा, निराली जैन आदि लोगों ने गोवंश को गुड़ खिलाया। महेंद्र सेठी ने बताया कि जैन समाज के सदस्यों के सहयोग से गोवंश को 200 किलो गुड़ खिलाया व गौशाला को प्रदान किया। इस अवसर पर गौशाला ट्रस्ट के वरिष्ठ सदस्य अभय नारायण शर्मा ने दिगंबर जैन समाज का आभार व्यक्त किया।

तेज बारिश भी नहीं डिगा पाई हौसला

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। नसीराबाद में रविवार को शरद पूर्णिमा के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पथ संचलन में स्वयं सेवकों का तेज बारिश भी नहीं डिगा पाई हौसला। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पथ संचलन के प्रारंभ होने से पूर्व जब स्वयं सेवकों को शपथ दिलाई जा रही थी तब ही हल्की बारिश शुरू हो चुकी थी जो धीरे-धीरे बढ़ती गई। तेज बारिश होने के बावजूद पथ संचलन प्रारंभ हुआ और पथ संचलन में शामिल स्वयं सेवकों का हौसला बुलंद था और वह अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते चले गये।

हम भी देख सकते भगवान को पर इसके लिए करनी होगी मीरा जैसी भक्तिः ठाकुर

शांतिदूत पं. श्रीदेवकीनंदन ठाकुरजी महाराज के मुखारबिंद से श्रीमद् भागवत कथा का पांचवा दिन

भगवान को लेकर सारे संशय का निवारण भागवत कथा श्रवण से

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। भगवान के बारे में जानने का प्रयास करेंगे तो अवश्य ये जान जाएंगे कि हम भी भगवान को देख सकते हैं लेकिन उसके लिए अपनी भक्ति को मीरा के स्तर पर पहुंचाना होगा। जिसने भी भगवान को जानने का प्रयास किया वह उसे अवश्य मिले हैं। भगवान को ध्रुव, प्रहलाद, विभीषण ने देखा तो कलयुग में मीराबाई, सूरदास, नरसी और तुलसीदास ने भी भगवान को देखा है। कुसंस्कारी की संगत में रहने वाले ही बोलते है मैं भगवान को नहीं मानता। आत्मा को किसने देखा फिर भी उसका अस्तित्व सभी को मानना पड़ता है। ये विचार परम पूज्य शांतिदूत पं. श्रीदेवकीनंदन ठाकुरजी महाराज ने रविवार दोपहर हनुमान टेकरी काठियाबाबा आश्रम में श्री टेकरी के हनुमानजी भागवत कथा समिति के तत्वावधान में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान गंगा महोत्सव के पांचवें दिन हजारों श्रद्धालुओं को कथा श्रवण कराते हुए व्यक्त किए। मंच पर कथा के प्रेरणास्रोत हनुमान टेकरी के महंत बनवारीशरण काठियाबाबा के सानिध्य में कथावाचक श्री देवकीनंदन ठाकुरजी महाराज श्रद्धालुओं को कृष्ण की बाल लीला सहित विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से भागवत श्रवण का महत्व समझाते रहे। उन्होंने कहा कि मनुष्य इन्द्रियों पर विजय प्राप्त करें तो परमात्मा इसी जन्म में प्राप्त हो सकते है। भगवान को लेकर सारे संशय का निवारण भागवत कथा श्रवण से हो जाता है। मन के सारे प्रश्नों व संशयों का उत्तर इस कथा में मिलता है। भगवान को मानने और उसका बन जाने वालों को कोई बंधन परेशान नहीं करता। महाराजश्री ने कहा कि भगवान का होने के बाद जीव को कोई दुःख नहीं सता सकता। ईश्वर चाहे तो सब कुछ संभव है, बंधन उन्हीं को महसूस होते जो भगवान के नहीं बनते। ईश्वरीय सत्ता परम प्रबल है जो चाहे हो सकता बस विश्वास करना होगा। व्यक्ति जब भगवान और मौत को भूल जाता है तभी पाप करता है। मुक्ति पाने का मार्ग सत्संग है। ये दो बाते मत भूलों एक भगवान और दूसरा मौत निश्चित है। हमारा हृदय निर्मल होने पर ही भगवान से सम्बन्ध कायम होंगे। जो भगवान जहर पिलाने वाली पूतना को मुक्ति दे सकते है वह हमारा भी कल्याण करेंगे लेकिन इसके लिए भगवान से सच्ची प्रीति करनी होगी। उससे नाता जोड़ने पर गोविन्द के पास चले जाएंगे इसमें कोई संशय नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत सनातन संस्कृति का आधार है और ये देश हिंदू राष्ट्र होने पर ही सभी सुखी रह पाएंगे।

गिरिराजजी को लगाया छप्पन भोग, गूंज उठे जयकारे

श्रीमद् भागवत कथा पांडाल शाम को उस समय गिरिराज धरण के जयकारों से गूंज उठा जब भगवान गिरिराज को छप्पन भोग लगाया गया। हनुमान टेकरी महंत बनवारीशरण काठियाबाबा ने भगवान को छप्पन भोग लगाया। गिरिराज भगवान का रूप विट्ठल काष्ट ने धारण किया। छप्पन भोग की सजाई गई झांकी के दर्शन करने के लिए भक्तगण आतुर रहे। छप्पन भोग लगाने के दौरान पांडाल में निरन्तर जयकारे गूंजते रहे और हर तरफ भक्ति से ओतप्रोत माहौल दिखा।

भीलवाड़ा को बना देंगे वृन्दावन, हर वर्ष कथा करने की इच्छा

व्यास पीठ से कथा के दौरान कथावाचक पं. देवकीनंदन ठाकुरजी महाराज ने कहा कि दो दिन बाद कथा की पूर्णाहुति हो जाएगी लेकिन उनका मन भीलवाड़ा के पवित्र कथास्थल को छोड़ने का नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि कथा प्रेरणास्रोत महंत बनवारीशरणजी काठियाबाबा कह रहे थे ये स्थान आपका ही है। ठाकुर ने कहा कि हमारी इच्छा है कि राजस्थान में भी उनकी समिति कार्य करें हर वर्ष एक बार ऐसा आयोजन हो जो बच्चों को अपनी सभ्यता व संस्कृति से जोड़े रखे। उन्होंने कहा कि मुझे 11 ऐसे लोग चाहिए जो इस कार्य के लिए सर्वस्व अर्पित करने को तैयार हो हर वर्ष सात दिन भीलवाड़ा को वृन्दावन बनाने की जिम्मेदारी लेता हूं। इस कार्य में छोटी-छोटी सभी भक्तजन दे सकते है। पं. देवकीनंदन ठाकुरजी महाराज ने भ्रूण हत्या नहीं करने का संदेश देते हुए कहा कि जिस घर में ऐसा पाप होता हो वहां कभी शांति नहीं हो सकती। जो स्त्री अपने भ्रूण या बच्चें को मारना चाहे उसका मुख नहीं देखना चाहिए।

श्याम भक्तों ने जागरण में रचा इतिहास

बाबा श्याम का अनुपम श्रृंगार, भजनों में झूमे श्रद्धालु

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

जयपुर। प्रताप नगर सैक्टर 26 में पहली बार श्री श्याम सेवक मंडल सेक्टर 26 के संयुक्त तत्वावधान में बाबा खाटू श्याम जी के भजन संध्या एवं छप्पन भोग झांकी का आयोजन किया गया । बाबा श्याम के कीर्तन में मशहूर श्याम भजन गायक श्याम सलोना ने भजनों की प्रस्तुति दी । साथ ही सभी भक्त इस भव्य आयोजन सैकड़ों की संख्या में बाबा को रिझाने के लिए उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान 9 अक्टूबर 2022 रविवार शाम 8 बजे बाबा श्याम का गुणगान कृपा कर बाबा कीर्तन कराऊंगा..., खाटू धाम में उड़ रही धूल... आदि भजनों से किया गया। साथ ही भजन गायक नवीन गौतम ने बाबा श्याम की भक्ति कर बाबा को रिझाया। श्री श्याम सेवक मंडल के आग्रह से बाबा श्याम के इस भव्य आयोजन में प्रताप नगर ही नहीं दूर दूर से पधार कर बाबा के दरबार में उपस्थित रहे। कीर्तन में लगभग 2000 से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा का गुणगान किया । श्री श्याम सेवक मंडल के सेवादार देवेंद्र गुप्ता ने बताया कि प्रताप नगर सैक्टर 26 प्रताप नगर में पहली बार श्याम सेवक मंडल ने इस भव्य आयोजन को कर इतिहास बनाया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम सांय 8 बजे से बाबा के गुणगान के साथ शुरू हुआ जो की रात्रि 2 बजे भव्य आरती के बाद समापन हुआ। सेवक मंडल के सेवादार मोहित जैन ने बताया कि इस भव्य आयोजन में बाबा श्याम का पुष्पों से अद्भुत श्रृंगार किया गया एवं बाबा श्याम की छप्पन भोग झांकी सजाई गई। आयोजित कार्यक्रमों में बाबा के गुणगान के साथ सभी श्याम प्रेमियों का इत्र वर्षा, एवं लगभग 121 किलो पुष्पों से पुष्प वर्षा कर भक्तो का स्वागत किया गया। पूरा भजन पांडाल सुगंधित इत्र की खुशबू से सुगंधित हो उठा। पत्रकार अभिषेक जैन ने बताया की इस भजन संध्या में मशहूर श्याम भजन गायक श्याम सलोना कोटा वाले , रौशनी शर्मा (बांदीकुई), नवीन गौतम (कोटा) ने बाबा श्याम को भजनों से रिझाया एवं बाबा श्याम की ज्योत सेवा पुरषोत्तम लाल शास्त्री ने की। इस मौके पर भगवान सहाय गुप्ता, देवेंद्र कुमार गुप्ता, भगवान दास धाकड़, प्रशांक जैन, अमन जैन कोटखावदा, शुभम जैन, भास्कर सोनी, मोहित जैन , धर्मेन्द्र कुमार गोयल, उमाशंकर मोदी , विनोद कुमार , कपिल जयपुरिया , वरुण भाटी, चर्चिल जैन, श्याम बाबू पाटनी, विमल खंडेलवाल, सहित हजारों श्याम प्रेमी उपस्थित रहे। श्याम मन्दिर जगतपुरा के मुख्य पुजारी ने बाबा श्याम के इस भव्य दरबार में हाजरी लगाई। कार्यक्रम का समापन बाबा श्याम की महाआरती के साथ हुआ । साथ ही सभी भक्तो को पंच मेवे एवं छप्पन भोग का महाप्रसाद वितरित किया गया ।

आरएसएस का पथ संचलन निकला

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। राष्ट्रीय स्वयं सेवक की ओर से रविवार को नगर में पथ संचलन निकाला गया जिसमें स्वयं सेवकों ने कदमताल करते हुए अनुशासन का परिचय देते हुए राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना प्रकट की। शरद पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित पथ संचलन अपरान्ह 3 बजे डी ए वी स्कूल से प्रारंभ होकर गांधी चौक, सदर बाजार, हनुमान चौक, शहीद स्मारक, पेट्रोल पंप, पोस्टल कॉलोनी, फूलागंज, मोची बाजार, सिंधी बाजार, लारी रोड सिटी थाना, ब्यावर बस स्टेशन, स्टेशन रोड, पलसानिया रोड, सूतरखाना मौहल्ला व काली माई रोड से गुजरता हुआ पुनः डी ए वी स्कूल पहुंचकर विसर्जित हुआ। पथ संचलन में संघ के पदाधिकारी व स्वयंसेवक घोष वादन के कदम से कदम मिलाते हुए राष्ट्र की सुरक्षा के लिए समर्पण भाव प्रकट करते हुए चल रहे थे। पथ संचलन के दौरान अनेकों स्थानों पर विभिन्न सामाजिक व राजनैतिक संगठनों के पदाधिकारियों जनप्रतिनिधियों व नगरवासियों ने उत्साह से पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया।

आचार्य श्री वसुनंदी जी महामुनिराज का 35वा दीक्षा दिवस समारोह आज

अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान, राजस्थान प्रान्त के शपथ ग्रहण समारोह का भी होगा आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। प. पू.अभिक्षण ज्ञानोपयोगी आचार्य गुरुदेव श्री वसुनंदी जी महामुनिराज का 35 वा दीक्षा दिवस समारोह परम पूज्य आर्यिका श्री सौम्यनंदिनि माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में मंगलवार 11अक्टूबर 2022 प्रातः 7:30 बजे से श्री दिगम्बर जैन मंदिर झोटवाड़ा मे बड़ी धूमधाम से मनाया जायेगा। इस दिन पूज्य गुरुदेव के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन, गुरु माँ का पाद प्रक्षालन व शास्त्र भेंट, एवम पूज्य गुरुदेव की अष्ट द्रव्य से साजबाज से पूजन के पश्चात आर्यिका संघ के मंगल प्रवचन का सौभाग्य भी प्राप्त होगा। साथ ही गुरुदेव की प्रेरणा से गठित संस्था अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्था, राजस्थान प्रदेश के नवगठित कार्यकारिणी सदस्यों के शपथ ग्रहण कार्यक्रम भी आर्यिका संघ के सानिध्य में होगा ।

गुरुदेव की प्रेरणा से गठित संस्था अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्था, राजस्थान प्रदेश के नवगठित कार्यकारिणी सदस्यों के शपथ ग्रहण कार्यक्रम भी आर्यिका संघ के सानिध्य में होगा...

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

टिकटोली में जैन प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। अतिशय क्षेत्र टिकटौली में प्रतिभाशाली बच्चों का सम्मान किया गया। परम पूज्य प्रशममूर्ति मुनिश्री अजितसागर जी महाराज के पावन सान्निध्य में अविजित समूह शाखा विदिशा द्वारा आयोजित चम्बल सम्भाग के होनहार बच्चों के प्रोत्साहन के लिए प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि IPS पवन जैन, डीजीपी होमगार्ड-भोपाल, विशिष्ट अतिथि विनीत जैन, कमांडेड 5 बटालियन, संजीब जैन, नगरनिगम आयुक्त, श्रीमती बन्दना जैन, एसडीएम सबलगढ़, काउंसलर रीतेश जैन दिल्ली, सुदीप जैन दिल्ली थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुंगावली महिला मंडल के मंगलाचरण से हुआ। अथितियों द्वारा चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलित किया गया। बालिका राखी जैन एवं गार्गी जैन द्वारा नृत्य प्रस्तुत किये गए। इस अवसर पर अक्षत जैन द्वारा निर्मित विद्याजितोदय एप का लोकार्पण किया गया। समारोह के प्रथम चरण में काउंसलर रीतेश जैन दिल्ली ने बच्चों को शिक्षा एवं कैरियर के सन्दर्भ में मोटीवेट करते हुए महत्वपूर्ण टिप्स दिए, जैन ने बच्चों की शंकाओं का समाधान करते हुए उनके सबालों के जबाब दिए। तत्पश्चात IPS पवन जैन DGP भोपाल एवं IPS विनीत जैन ने भी बच्चों को कैरियर सम्बन्धी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर पूज्य मुनिश्री ने सभी को आशीर्वाद देते हुए कहा कि आप सभी समाज की होनहार प्रतिभाएं हैं, आप सभी भविष्य में उच्च अधिकारी एवं बड़े व्यवसायी बनें। लेकिन कभी भी अपने धर्म एवं संस्कारों को नहीं भूलना। यदि आप अपने धर्म और संस्कारों को भूल गए तो आपका बड़ा आदमी बनना व्यर्थ होगा। चम्बल सम्भागीय प्रतिभा सम्मान समारोह के अंतर्गत जैन समाज के उन बच्चों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने इस वर्ष की परीक्षाएं उच्चतम अंकों में उतीर्ण की थी। भिंड, मुरेना, ग्वालियर, शिवपुरी जिले के छात्र-छात्राओं का अतिथियों द्वारा सम्मान किया गया। सभी चयनित छात्रों को पीत बस्त्र, फाइल, प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह, कलम, डायरी आदि से सम्मानित किया गया। अविजित समूह के सुरेशचंद जैन ने संस्था की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की एवं अतिशय क्षेत्र के अध्यक्ष राजेंद्र भण्डारी ने सभी का आभार व्यक्त किया ।

भारत विकास परिषद्

जयपुर महानगर शाखा द्वारा राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। भारत विकास परिषद जयपुर महानगर शाखा की ओर से राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता का आयोजन इंडिया इंटरनेशनल स्कूल, मानसरोवर जयपुर में किया गया। प्रतियोगिता में शहर के 7 स्कूलों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का प्रारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवम वंदेमातरम गीत के साथ हुआ। प्रतियोगिता में टैगोर पब्लिक स्कूल, वैशाली नगर की टीम प्रथम स्थान पर रही, डी ए वी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल, वैशाली नगर एवम इंडिया इंटरनेशनल स्कूल, मानसरोवर की टीम क्रमशः द्वितीय एवम तृतीय स्थान पर रही। विजेता टीम 16 अक्टूबर को होने वाली प्रांतीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेंगी। कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष महेंद्र अग्रवाल ने सभी का अभिनंदन एवम स्वागत किया। मुख्य अतिथि प्रोफेसर माया रानी ने कार्यक्रम की भुरी भूरी प्रशंसा की।

सिद्धालय जाना है तो सब कुछ छोड़ना पड़ेगाः आचार्य श्री सुनील सागर जी

जयपुर. शाबाश इंडिया

गुलाबी नगरी जयपुर में आचार्य गुरुवर सुनील सागर महा मुनिराज अपने संघ सहित भट्टारक जी की नसिया में चातुर्मास हेतु विराजमान है। प्रातः भगवान जिनेंद्र का जलाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक हुआ , उपस्थित सभी महानुभावों ने पूजा कर अर्घ्य अर्पण किया। पश्चात गुरुदेव के श्री मुख से शान्ति मंत्रों का उच्चारण हुआ, सभी जीवो के लिए शान्ति हेतु मंगल कामना की गई। सन्मति सुनील सभागार मे विमल कुमार जैन, विक्रम काला जैन, देवेंद्र गांधी तथा उदगांव से आए सभी महानुभाव ने अर्घ्य अर्पण कर चित्र अनावरण करते हुए दीप प्रज्जवलन कर धर्म सभा का शुभारंभ किया। उक्त जानकारी देते हुए चातुर्मास व्यवस्था समिति के प्रचार मंत्री रमेश गंगवाल ने बताया , मंगलाचरण व मंच संचालन इन्दिरा बडजात्या जयपुर ने किया । चातुर्मास व्यवस्था समिति के महामन्त्री ओम प्रकाश काला ने बताया कि उदगांव से पधारे अतिथि महानुभावों ने आचार्य श्री के समक्ष श्रीफल अर्पण किया ।चातुर्मास व्यवस्था समिति के मुख्य संयोजक रूपेंद्र छाबड़ा राजेश गंगवाल ने बताया धर्म सभा मे आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन महाविज्ञ पुस्तक का हिंदी से मराठी में अनुवाद करने वाली विदुषी महिला अनुपमा जी ने किया। आचार्य भगवंत ने अपने मंगल उद्बोधन में कहां जैसे बरसात की नदी भरभरा कर आती है वैसी वापस नहीं आती उस ही तरह से जो आयु बीत जाती है वह वापस नहीं आती प्रत्येक समय जीव की नवीन नवीन पर्याय होती रहती है । पल-पल सब कुछ बदल रहा है यहां पंडाल का मंडप सजा है जिस दिन सजा था बहुत सुंदर सजा था वस्त्र बांधे हुए हैं ,पर यह सोचिए जिस दिन सजा था उस दिन से आज तक में बहुत अंतर आ गया है धूल जम गई है कालापन आ गया है। कोई भी चीज हो वह परिवर्तनशील है। नदी की धार बहती चली जाती है वह लौटकर नहीं आती है जीर्णता की ओर जाना इस जातीय पर्याय का स्वभाव है। आपतो इस दुनिया में निमित्त मात्र हैं हर कोई जीव जो भी इस संसार में आता है वह अपना पुण्य साथ लेकर आता है देव शास्त्र गुरु की आराधना करते रहो, सब ठीक ही रहेगा कभी भी किसी पर टिप्पणी नहीं करना चाहिए। माया छल कपट नहीं होना चाहिए। जीवो को सदैव कर्ता रहना है संसार बनाने के लिए और सिद्ध बनने के लिए सब कुछ छोड़ना पड़ेगा । जैसे-जैसे निर्मलता बढ़ती है वैसे-वैसे ही स्थिरता बढ़ती चली जाती है।

जिंदगी में सफल होना है तो त्यांगे अभिमान, क्रोध, प्रमाद, बीमारी व आलस्यः समकितमुनिजी

क्षमता व पात्रता देख ही तय करें जीवन का लक्ष्य। उत्तराध्ययन आगम की 27 दिवसीय आराधना का 11वां दिन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। शिक्षा के साथ विनय मिलने पर ही आदमी समझदार बनता है। विद्वान अभिमानी होने पर मूर्ख समान है। जिंदगी में सफलता एवं प्रगति चाहते है तो पांच चीजों अभिमान, क्रोध, प्रमाद, बीमारी व आलस्य से दूर रहना होगा। इनमें से कोई एक भी होने पर जीवन में प्रगति नहीं हो सकती। अभिमानी खंभे जैसे होते है जो नष्ट हो जाते लेकिन झुकना पसंद नहीं करते। इसी तरह गुस्सैल होने, प्रमाद करने, शरीर निरोगी रहने या आलस्य का शिकार होने पर भी जीवन सार्थक व सफल नहीं होगा। ये विचार श्रमणसंघीय सलाहकार सुमतिप्रकाशजी म.सा. के सुशिष्य आगमज्ञाता, प्रज्ञामहर्षि डॉ. समकितमुनिजी म.सा. ने शांतिभवन में रविवार को परमात्मा भगवान महावीर की अंतिम देशना उत्तराध्ययन आगम की 27 दिवसीय आराधना **''आपकी बात आपके साथ''** के 11वें दिन व्यक्त किए। इसके तहत आगम के 36 अध्यायों में से 11 वें अध्याय बहुश्रुत पूजा एवं 12वें अध्याय हरिकेशीय का वाचन करने के साथ इनके बारे में समझाया गया। उन्होंने कहा कि जिसको जैसी पात्रता होती है वैसा ही प्राप्त होता है। इसलिए बच्चों की क्षमता व पात्रता देख ही उसके जीवन का लक्ष्य तय करना चाहिए अनावश्यक कोई चीज नहीं थोपनी चाहिए। जीवन में श्रद्धा, स्नेह व प्रेम मांगने से नहीं मिलता इसके लिए पात्र बनना पड़ता है। दूसरों को मिटाकर नहीं सबको साथ लेकर चलने पर ही प्रगति संभव है। ज्ञानीजन कहते है संभलने और संभालने की कला में जो पारंगत हो गया वह समझदार हो गया है। शुरू में गायन कुशल जयवंतमुनिजी म.सा. ने प्रेरक गीत प्रस्तुत किया। प्रेरणाकुशल भवान्तमुनिजी म.सा. का भी सानिध्य मिला। लक्की ड्रॉ के माध्यम से दो-दो भाग्यशाली श्रावक-श्राविकाओं को प्रभावना में चांदी के सिक्के लाभार्थी परिवारों द्वारा प्रदान किए गए। अतिथियों का स्वागत एवं धर्मसभा का संचालन श्रीसंघ के अध्यक्ष राजेन्द्र चीपड़ ने किया।

टेढ़ी चाल वालों को सीधे रास्ते पर भी होती मुश्किल

मुनिश्री ने कहा कि दुनिया के सारे रास्ते सीधे मुश्किल उनको होती जिनकी चाल टेढ़ी होती है। किसी का दिल दुःखा कर नहीं उसका सहयोग करके ही दिल जीता जा सकता। सोचने का नजरिया बदल जाए तो जीवन बदल जाता है। चरित्र देखने की बजाय सिर्फ शक्ल सूरत देख कर निर्णय करने वाले अक्सर गलती कर जाते है। उन्होंने भिक्षुक व संतों का सम्मान करने की सीख देते हुए कहा कि भिक्षुक को मारना या अपमानित करना स्वयं को बर्बाद करने के समान है। कूपित हुआ संत लोक को जलाकर भस्म कर सकता है। उन्होंने कहा कि धर्म रूपी जलाशय में डूबकी लगाने वाले कर्मबंध से विशुद्ध होकर उत्तम स्थान को प्राप्त करते है। घर बैठे शीलव्रत की आराधना-साधना करने वाला बहुत जल्दी शाश्वत सुखों को प्राप्त करता है।

तप रूपी अग्नि से करें हवन

पूज्य समकितमुनिजी ने धर्मसभा में संकल्प दिलाया कि इस बार दिवाली पर जहां तक हो सके हिंसा से बचने का प्रयास करेंगे। पूजा में सचित फूलों का उपयोग नहीं करेंगे एवं आगम की रीति के अनुसार हवन करते हुए आगे बढ़ेंगे। ये हवन तप रूपी अग्नि से करना होगा। इस तप से शरीर एवं आत्मा की शुद्धि होगी। अहिंसा के सिद्धांतों की पालना करते हुए भगवान महावीर निर्वाण कल्याणक मनाना है।

नवपद आयबिंल ओली की आराधना पूर्ण हुई

शांतिभवन में नवपद आयबिंल ओली की आराधना रविवार को पूर्ण हो गई। ये नौ दिवसीय आराधना एक अक्टूबर से शुरू हुई थी। नवपद ओली तप आराधना के लाभार्थी डूंगरवाल परिवार के विजयादेवी अमरसिंह डूंगरवाल ने बताया कि करीब 90 श्रावक-श्राविकाओं ने नवपद ओली आयबिंल आराधना का लाभ लिया। ओली तप करने वाले तपस्वियों ने नियमित प्रवचन समाप्ति के बाद पूज्य समकितमुनिजी म.सा. के मुखारबिंद से श्रीपाल-मैना सुंदरी चरित्र का भी श्रवण किया था। शांति जैन महिला मंडल की मंत्री सरिता पोखरना ने बताया कि श्रीपाल मैना सुंदरी चरित्र वाचन के दौरान प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता के विजेता मानसिंह खारीवाल, सुशीला सुराणा, आशा गोखरू, रोशन खाब्या, मीना चौधरी, शांतादेवी पोखरना, अमरसिंह धूपिया, रेखा बाबेल,सुमन लोढ़ा को पुरस्कृत किया गया। ओली आयबिंल तप पूर्ण होने पर शांतिभवन श्रीसंघ की ओर से सभी तपस्वियों को प्रभावना वितरित की गई। प्रभावना प्रदान करने वालों में श्रीसंघ के अध्यक्ष राजेन्द्र चीपड़, मंत्री राजेन्द्र सुराना आदि शामिल थे। बालिका मंडल की ओर से धर्मसभा में नाट्य प्रस्तुति देकर संयुक्त परिवार का महत्व समझाया गया और घर के बुजुर्गों का सम्मान व आदर करने का संदेश दिया गया। इस नाटक में बताया गया कि संयुक्त परिवार के सदस्यों के अलग-अलग हो जाने एवं बुर्जुग माता-पिता को वृद्धाश्रम भेजने पर क्या परेशानियां सामने आती है और पारिवारिक जीवन पर क्या असर होता है। नाट्य प्रस्तुति देने वालो में अंजलि बाबेल, रेणु चौधरी, नव्या जैन, पलक बाबेल आदि शामिल थे।